जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया (उ0प्र0)

New

पाठ्यक्रम : स्नातकोत्तर

राजनीति विज्ञान

संयोजक
अध्ययन परिषद्

संकायाध्यक्ष
सामाजिक विज्ञान संकाय

Rajaram

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया
राजनीति विज्ञान विभाग
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम – सेमेस्टर व्यवस्था
पाठ्यक्रम कोड – MPS

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र कोड	प्रश्न पत्र नाम	अधिकतम अंक	क्रेडिट
I Sem. -					
	I	MPS 101	पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन.	100	5
	II	MPS 102	तुलनात्मक राजनीति	100	5
	III	MPS 103	अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध के सिद्धान्त	100	5
	IV	MPS 104	भारतीय राजनीतिक व्यवस्था	100	5
	V	MPS 105	प्रोजेक्ट कार्य – 1	To be Valueted at the End of IISem.	4
	One Minior/ Elective Paper from the any Subject of Other Facaulty			100	4
			Total-	**500**	**28**
II Sem. -					
	I	MPS 201	आधुनिक राजनीतिक चिंतन.	100	5
	II	MPS 202	लोक प्रशासन के सिद्धान्त	100	5
	III	MPS 203	अर्न्तराष्ट्रीय सम्बन्ध	100	5
	IV	MPS 204	भारतीय राजनीति के मुद्दे	100	5
	V	MPS 205	प्रोजेक्ट कार्य – 2	100 (I+IISem.)	4
			Total-	**500**	**24**
III Sem. -					
	I	MPS 301	राजनीतिक सिद्धान्त एवं राजनीतिक परम्परायें	100	5
	II	MPS 302	भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन	100	5
	III	MPS 303 (वैकल्पिक)	प्रमुख देशों की विदेश नीतियाँ	100	5
		MPS 304 (वैकल्पिक)	अन्तर्राष्ट्रीय विधि	100	5
		MPS 305 (वैकल्पिक)	भारतीय प्रशासन	100	5

Rajani

	IV	MPS 306 (वैकल्पिक)	भारत की विदेशनीति	100	5
		MPS 307 (वैकल्पिक)	राजनीतिक समाजशास्त्र	100	5
		MPS 308 (वैकल्पिक)	लघु शोध प्रबंध	100	5
	V	MPS 309	प्रोजेक्ट कार्य–3	To be Valueted at the End of IVSem.	4
			Total-	**400**	**24**

IV Sem. -

	I	MPS 401	आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन	100	5
	II	MPS 402	समकालीन राजनीतिक विचारधारा	100	5
	III	MPS 403 (वैकल्पिक)	संयुक्त राष्ट्र एवं विश्वशांति	100	5
		MPS 404 (वैकल्पिक)	शोध प्रविधि	100	5
		MPS 405 (वैकल्पिक)	लोकतंत्र और भारत में मानवाधिकार	100	5
	IV	MPS 406 (वैकल्पिक)	भारत में राज्यों की राजनीति	100	5
		MPS 407 (वैकल्पिक)	दक्षिण एशिया में राजनीति	100	5
		MPS 408 (वैकल्पिक)	लोक नीति	100	5
	V	MPS 409	प्रोजेक्ट कार्य–4	100 (III+IVSem.)	4
			Total-	**500**	**24**

Note –

- **Student will choose one Minior/ Elective Paper in I or IISem. Form the Subject of Other Faculty**
- **Total Credit – 28+24+24+24 = 100**
- **Total Marks – 500+500+400+500 = 1900**
- **Project work in each Semester on the basis of Continuous evaluation and monitory.**

Rajaram

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

परास्नातक पाठ्यक्रम(2022-2023)

राजनीति विज्ञान

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की स्थापना 2016 में बलिया में हुई। यह एक राज्य विश्वविद्यालय है। जिसकी स्थापना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई। यह बलिया मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर सुरम्य सुरहाताल के निकट वसंतपुर में अवस्थित है। इससे 1 राजकीय महाविद्यालय, 10 अनुदानित महाविद्यालय तथा 100 से ज्यादा स्ववित्तपोषित महाविद्यालय सम्बद्ध हैं। विश्वविद्यालय का संचालन इसकी स्वयं की परिनियमावली द्वारा होता है। विश्वविद्यालय में संकायवार विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा व्यवसायिक शिक्षा हेतु विशेष पाठ्यक्रमों का भी संचालन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में अनुशासन स्थापित करने हेतु कुलानुशासक के साथ-साथ एंटी रैगिंग सेल की भी स्थापना की गई है। बलिया से संबंधित विभूतियों को जोड़ने के लिए 'लिविंग लीजेंड्स ऑफ बलिया' नामक कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की गतिविधियों को अन्वीक्षण' नामक न्यूज़लेटर के माध्यम से प्रकाशित किया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा ई-लर्निंग और ई-कंटेंट की विशेष व्यवस्था की गई है। शोधपीठ के माध्यम से विशेषीकृत शोध को बढ़ावा दिया जा रहा है। खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के लगातार आयोजन द्वारा नए मानक भी स्थापित हो रहे हैं।

राजनीति विज्ञान

एक स्वतंत्र विषय के रूप में राजनीति विज्ञान के अध्ययन का आरंभ आज से लगभग 2400 वर्ष पूर्व प्राचीन यूनान में किया गया था। एक राजनीतिक विश्लेषक, अध्ययनकर्ता राजनीतिक समस्याओं के समाधान के लिए चिंतन करते हुए समस्त मानवीय समस्याओं का समग्रतापूर्वक विश्लेषण प्रस्तुत करता है तथा मानव के सर्वांगीण विकास के लिए आधार प्रस्तुत करता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में एक सामान्य विद्यार्थी राजनीति विज्ञान का अध्ययन इसलिए भी करना चाहता है कि राज्य की संस्था हमारे क्रियाकलापों को किसी भी अन्य संस्था से ज्यादा प्रभावित करती है। राजनीति विज्ञान अपने विद्यार्थियों में मानवीय समस्याओं के प्रति समग्र दृष्टिकोण विकसित करने के लिए आधार सामग्री प्रदान करता है, उनके अंदर कर्तव्यबोध उत्पन्न करता है जिससे एक सम्मानित नागरिक के रूप में व्यक्ति अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी योग्यता एवं क्षमता का स्वतंत्र प्रयोग कर सके।

Rajaram

राजनीति विज्ञान अपने विद्यार्थियों के लिए रोजगार की संभावनाएं भी उत्पन्न करता है। इसके पाठ्यक्रम इसी के दृष्टिगत निर्मित किए जाते हैं। उपरोक्त लक्ष्यों की प्राप्ति में ही राजनीति विज्ञान के अध्ययन की उपादेयता निहित है।

स्नातकोत्तर (राजनीति विज्ञान) का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण से निर्मित किया गया। इसके अंतर्गत यूजीसी द्वारा संचालित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) के पाठ्यक्रम को सम्मिलित करते हुए यथासंभव रोजगारपरक बनाने का प्रयास किया गया है।

लघु शोध प्रबंध की अर्हता शर्तों का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त निर्देश के अनुरूप किया जाएगा।

एम ए राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम की रूपरेखा-

- यह पाठ्यक्रम 2 वर्ष और 4 सेमेस्टर में विभाजित है।
- प्रत्येक सेमेस्टर में पांच प्रश्न पत्र निर्धारित किए गए हैं।
- प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 है।
- पांचवा प्रश्न पत्र प्रोजेक्ट कार्य होगा।
- इस पाठ्यक्रम की सीट और प्रवेश प्रक्रिया विश्वविद्यालय की परिनियमावली के अनुसार होगी।
- इस पाठ्यक्रम में राजनीति विज्ञान विषय के सभी आयामों को शामिल किया गया है।
- यह पाठ्यक्रम सैद्धांतिक राजनीति और व्यवहार में उसके अनुप्रयोग को भी शामिल करता है।
- इस पाठ्यक्रम की प्रकृति अंतरविषयी है।
- इस पाठ्यक्रम की विषय वस्तु अकादमिक परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी बेहद उपयोगी साबित होगी।
- यह पाठ्यक्रम शोध और नवाचार को भी बढ़ाने वाला है।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में आलोचनात्मक दृष्टिकोण , संज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ तार्किक वैचारिक क्षमता का समावेश किया जा सकेगा।
- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी राष्ट्रनिर्माण में सकारात्मक योगदान दे सकने में समर्थ हो सकेगा

एम ए - प्रथम सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान- प्रथम प्रश्न पत्र

पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन (MPS 101)

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम की संरचना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन के महत्वपूर्ण विचारकों से परिचित कराना है। यह पाठ्यक्रम प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन के प्रतिनिधि विचारकों के मौलिक चिंतन और अध्ययन पद्धति की गहन अवधारणा विद्यार्थियों में विकसित करने के उद्देश्य से बनाया गया है।

- राजनीति विज्ञान के प्रारंभिक अध्ययनकर्ताओं के चिंतन, विचार एवं राज दर्शन से परिचित कराना।
- मध्ययुगीन राजनीतिक चिंतन परंपरा की विशेषताओं से इस काल के प्रतिनिधि राजनीतिक चिंतकों के विचारों के आधार पर परिचित कराना।
- प्रारंभिक आधुनिक राजनीतिक चिंतन परंपरा से अवगत कराना तथा मध्य काल से आधुनिक धारणा में परिवर्तन के कारणों से उत्पन्न परिस्थितियों से अवगत कराना।
- उपयोगिता वादी चिंतन परंपरा से परिचित कराना तथा उनके प्रस्तावित सुधारों से अवगत कराना।

इकाई:- 1

प्रारंभिक राजनीतिक चिंतन : कन्फ्यूशियस, प्लेटो, अरस्तू

इकाई:- 2

मध्ययुगीन राजनीतिक चिंतन:-

मध्ययुगीन राजनीतिक चिंतन की विशेषताएं, थॉमस एक्विनास, चर्च-राज्य विवाद।

इकाई:- 3

आधुनिक राजनीतिक चिंतन:- निकोलो मैकियावली, थॉमस हॉब्स, जॉन लॉक, जीन जैक्स रूसो

इकाई:- 4

आधुनिक राजनीतिक चिंतन:-

मेरी वॉलस्टोनक्राफ्ट, जेरमी बेंथम, जॉन स्टुअर्ट मिल

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

Rajaram

अधिगम परिणाम-

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी राजनीतिक चिंतन के महत्वपूर्ण विचारकों प्लेटो, अरस्तु के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण प्राचीन राजनीतिक चिंतक कन्फ्यूसियस से भी परिचित होंगे। यह प्रश्न पत्र मध्ययुगीन राजनीतिक चिंतन की विशेषताएं और उस दौर के विचारकों के बारे में गहन अवधारणा विकसित करने में मदद करेगा। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक राजनीतिक चिंतन के महत्वपूर्ण विचारकों और उनको प्रभावित करने वाले कारकों से भी विद्यार्थियों को परिचित कराएगा जो उनके लिए न सिर्फ ज्ञान और शोध में उपयोगी होगा बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सहयोग करेगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- D. Boucher and P. Kelly (2009), (eds) 'Political Thinkers: From Socrates to the Present', Oxford, Oxford University Press.
- J. Coleman, (2000) 'A History of Political Thought: From Ancient Greece to Early Christianity, Oxford, Blackwell Publishers.
- Mukherjee, Subrato and Susheela Ramaswamy(2011) 'History of political Thought: Plato to Marx', PHI Publishers , New Delhi
- Okin, S. (1992), 'Women in Western Political Thought', Princeton, Princeton University Press.
- R. Kraut (1996) (ed.) 'The Cambridge Companion to Plato', Cambridge, Cambridge University Press.
- A. Skoble and T. Machan, (2007) 'Political Philosophy: Essential Selections', New Delhi, Pearson Education.
- J. Barnes (1995) (ed.), 'The Cambridge Companion to Aristotle'. Cambridge, Cambridge University Press.
- तिवारी, डॉ0 गंगादत्त (2018) : पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास (प्लेटो से मार्क्स), मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
- मुखर्जी, प्रो0 सुब्रत एवं रामास्वामी, सुशीला (2017) : पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन, हिन्दी अध्ययन कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- गाबा, ओम प्रकाश (2018) : पाश्चात्य राजनीतिक विचारक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- शर्मा, पी0डी0 (2021) : राजनीतिक विचार, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली
- गाबा, ओम प्रकाश (2018) : भारतीय राजनीतिक विचारक, मयूर प्रकाशन, नई दिल्ली

एम ए प्रथम सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान द्वितीय प्रश्न पत्र

तुलनात्मक राजनीति (MPS 102)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य समकालीन विश्व में तुलनात्मक राजनीति की बढ़ती महत्ता से विद्यार्थियों को परिचित कराना है। इस प्रश्न पत्र में तुलनात्मक राजनीति की आधारभूत अवधारणाओं के साथ-साथ समकालीन विश्व में व्याप्त विविध प्रणालियों के तुलनात्मक अध्ययन के प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

- तुलनात्मक राजनीति के समस्त स्वरूप से परिचित कराना।
- संविधानवाद एवं राजनीतिक विचारधारा के कार्यकरण से अवगत कराना।
- तुलनात्मक राजनीति के आधुनिक विकास प्रतिमानो की जानकारी देना।
- राजनीति व्यवस्था के व्यवहारिक परिचालन से अवगत कराना।

इकाई:-1

तुलनात्मक राजनीति: अर्थ, प्रकृति एवं विषय क्षेत्र
तुलनात्मक राजनीति का विकास: परंपरागत एवं आधुनिक
तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन उपागम: व्यवहारवादी, संरचनात्मक-प्रकार्यवाद और मार्क्सवादी दृष्टिकोण

इकाई:-2

संविधान एवं संविधानवाद: संविधान के रूप, विधि का शासन,
उदारवादी संविधानवाद, संविधानवाद का संकट
राजनीतिक विचारधारा: लोकतांत्रिक एवं सर्वाधिकारवादी

इकाई:- 3

विकास: अल्पविकास, निर्भरता, विकास एवं लोकतंत्र, राजनीतिक संस्कृति,
राजनीतिक आधुनिकीकरण, राजनीतिक समाजीकरण

इकाई:-4

प्रतिनिधित्व के सिद्धांत: निर्वाचन पद्धतियां
राजनीतिक दल, दलीय प्रणाली, हित समूह, दबाव समूह।

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

Rajanu

अधिगम परिणाम-

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी तुलनात्मक राजनीति की नवीन प्रवृत्तियों से ना सिर्फ परिचित होंगे बल्कि व्यावहारिक राजनीति के अध्ययन में तुलनात्मक रूप से इसका अनुप्रयोग भी कर सकेंगे। यह पाठ्यक्रम तुलनात्मक राजनीति के सैद्धांतिक पक्षों के साथ-साथ उसके व्यवहारिक पक्ष की भी अवधारणा विकसित करने में भी मदद करेगा। इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थियों में अंतरविषयी दृष्टिकोण विकसित होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- A. Heywood, (2002) 'Politics', New York, Palgrave.
- J. Bara and M. Pennington, (eds.) Comparative politics. New Delhi: Sage Publications.
- J. Bara and Pennington. (2009) (eds.) 'Comparative Politics: Explaining Democratic System', Sage Publications, New Delhi.
- J. Ishiyama, and M. Breuning, (2011) (eds) '21st Century Political Science: A Reference Book', Los Angeles, Sage Publications.
- M. Lichback and A. Zuckerman, (eds.) 'Comparative Political: Rationality, Culture, and Structure'. Cambridge, Cambridge University Press.
- R. Watts, (2008) 'Comparing Federal Systems'. Montreal and Kingston, McGill Queen's University Press.
- Saxena, R (2011) (eds.) 'Varieties of Federal Governance: Major Contemporary Models',New Delhi, Cambridge University Press.
- T. Landman, (2003) 'Issues and Methods of Comparative Methods: An Introduction'. London, Routledge
- दधीच, नरेश (2015) : समसामयिक राजनीतिक सिद्धान्त, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली
- मिश्रा, करूणेश प्रताप (2020) : समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त, ओरिऐंट ब्लैकश्वान प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद
- जैन, आर0के0 (2020) : समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त, आरोही प्रकाशन, दिल्ली
- गाबा, ओम प्रकाश (2018) : समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त, मूयर प्रकाशन, दिल्ली
- गाबा, ओम प्रकाश (2018) : तुलनात्मक राजनीति की रूपरेखा, मयूर प्रकाशन, दिल्ली
- गेना, सी0बी0 (2010) : तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थायें, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

एम ए प्रथम सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान:- तृतीय प्रश्न पत्र

अंतर्राष्ट्रीय संबंध के सिद्धांत (MPS 103)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र की संरचना इस प्रकार से निर्मित है कि विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय संबंध के मूलभूत परंपरागत और नवीन सिद्धांतों को समझ सकें। इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय संबंध के सैद्धांतिक पक्ष को उद्घाटित करना है।

- **अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं उसके अध्ययन पद्धतियों का अध्ययन करना।**
- **अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की आधुनिक प्रवृत्तियों से परिचय कराना।**
- **विदेश नीति के निर्धारण प्रक्रिया का अध्ययन करना।**
- **शीत युद्ध और शीत युद्धोत्तर विश्व व्यवस्था की सामान्य विशेषताओं से परिचित कराना।**
- **गुट निरपेक्ष आंदोलन के उदय एवं विकास का अध्ययन।**
- **राष्ट्रों के मध्य संबंध के सामान्य कारणों का अध्ययन एवं संभावित समाधान से अवगत कराना।**

इकाई:- 1

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:- अर्थ, परिभाषा एवम विषय क्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय संबंध के अध्ययन के उपागम:- आदर्शवाद, यथार्थवाद, नव-यथार्थवाद, व्यवस्था सिद्धांत, निर्णय-निर्माण सिद्धांत, मार्क्सवादी सिद्धान्त

इकाई:- 2

उदारवाद, नव-उदारवाद,
आलोचनात्मक अंतर्राष्ट्रीय सिद्धांत, नारीवाद, उत्तर आधुनिकतावाद
अवधारणाएं:- राज्य, राज्य व्यवस्था और गैर राज्यकर्ता, राष्ट्रीय हित,
राष्ट्रीय शक्ति और विचारधारा।

इकाई:- 3

विदेश नीति:- अर्थ और निर्धारक तत्व, शीत युद्ध, शीतयुद्धोत्तर विश्व व्यवस्था।

इकाई:- 4

गुटनिरपेक्ष आंदोलन, संघर्ष और संघर्ष समाधान, सुरक्षा के गैर परंपरागत खतरे।

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम-

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को निर्मित करने वाले मूलभूत सिद्धांतों को समझ सकेंगे। यह प्रश्न पत्र एक स्वायत्त विषय के रूप में विकसित हो रहे हैं अंतर्राष्ट्रीय संबंध के अध्ययन में भी विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा । इस प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम की संरचना इस प्रकार से है कि विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी इसके अध्ययन के पश्चात लाभान्वित होंगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- Basu, Rumki (2012) (ed.) 'International Politics: Concepts, Theories and Issues', New Delhi.
- Baylis & S. Smith (2002) (eds.), 'The Globalization of World Politics', Oxford University Press, UK, 4th edition, 2007 W.Bello, Deglobalization, Zed Books, London.
- M. Nicholson, (2002) 'International Relations: A Concise Introduction', New York, Palgrave.
- P. Viotti and M. Kauppi, (2007) 'International Relations and World Politics: Security,
- Economy, Identity', Pearson Education.
- R. Jackson and G. Sorensen, (2007) 'Introduction to International Relations: Theories and Approaches', 3rd Edition, Oxford, Oxford University Press.
- S. Joshua. Goldstein and J. Pevehouse, (2007) 'International Relations', New York, Pearson Longman.
- Calvocoressi, P. (2001) 'World Politics: 1945—2000'. Essex, Pearson.
- Dey, Dipankar (2007)(ed.), 'Sustainable Development: Perspectives and Initiatives', ICFAI University Press, Hyderabad,
- K. Booth and S. Smith, (eds), 'International Relations Theory Today', Pennsylvania, The Pennsylvania State University Press.
- M. Smith and R. Little (2000) (eds.), 'Perspectives on World Politics', New York, Routledge
- पंत, पुष्पेश (2020) : 21वीं सदी में अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, टाटा मैकग्रा हिल प्रकाशन, नोएडा
- कुमार, महेन्द्र (2021) : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सैद्धांतिक पक्ष, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, दिल्ली
- बसु, रूम्की (2019) : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक : अवधारणायें सिद्धान्त एवं मुद्दें , सेज प्रकाशन, इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- ओझा, विवेक (2020) : समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कुमार, अजय (2011) : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के सिद्धान्त एवं परिचय, पीयरसन एजुकेशन इंडिया, नोएडा

एम ए प्रथम सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान:- चतुर्थ प्रश्न पत्र

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था (MPS 104)

उद्देश्य- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संविधान और राजव्यवस्था की संरचना से परिचित कराना है। यह पाठ्यक्रम विस्तार से भारतीय संविधान को आधार देने वाले दार्शनिक पक्ष और शासन के विभिन्न अंगों की व्याख्या करता है।

- भारतीय संविधान सभा के गठन एवं संविधान की मूलभूत विशेषताओं से परिचित कराना।
- संघीय एवं राज्य सरकार के गठन एवं कार्य प्रणाली का अध्ययन।
- भारत में विभिन्न स्तरों पर न्यायिक संरचना एवं उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी उपलब्ध कराना।
- भारतीय संघीय व्यवस्था का अध्ययन करना।

इकाई:- 1

संविधान सभा का गठन

भारतीय संविधान का निर्माण

संविधान का दर्शन: उद्देशिका, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, नीति निदेशक तत्व

इकाई:- 2

संघीय कार्यपालिका:- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद

संघीय विधायिका:- संसद की संरचना, भूमिका, कार्यपद्धति, संसदीय समितियां,

राज्यों में कार्यपालिका एवं विधानमंडल:- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधानमंडल

इकाई:- 3

न्याय व्यवस्था:- उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय

न्यायिक समीक्षा, न्यायिक सक्रियता और न्यायिक सुधार

इकाई:- 4

भारतीय संघीय व्यवस्था का स्वरूप:- केंद्र-राज्य संबंध, राज्य स्वायत्तता

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

Rajan

अधिगम परिणाम-

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थियों में भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था की गहरी समझ विकसित होगी। यह प्रश्न पत्र विद्यार्थियों के ना सिर्फ निजी जीवन व आचरण के लिए उपयोगी साबित होगा बल्कि सभी प्रकार की अकादमिक और प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले प्रश्नों को वे आसानी से हल कर पाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- G. Austin, (2010) 'The Indian Constitution: Cornerstone of a Nation', New Delhi, Oxford University Press, 15th print.
- R. Bhargava (ed.) 'Politics and Ethics of the Indian Constitution', New Delhi, Oxford University Press.
- D. Basu, (2012) 'Introduction to the Constitution of India', New Delhi, Lexis Nexis.
- S. Chaube, (2009) 'The Making and Working of the Indian Constitution', New Delhi,
- National Book Trust.
- G. Austin, (2000) 'Working a Democratic Constitution', New Delhi, Oxford University Press.
- B. Shankar and V. Rodrigues, (2011), 'The Indian Parliament: A Democracy at Work', New Delhi: Oxford University Press.
- P. Mehta and N. Jayal (2010) (eds.) 'The Oxford Companion to Politics in India', New Delhi, Oxford University Press.
- Mehra and G. Kueck (eds.) 'The Indian Parliament: A Comparative Perspective', New Delhi, Konark.
- B. Kirpal et.al (eds.) 'Supreme but not Infallible: Essays in Honour of the Supreme Court of India', New Delhi, Oxford University Press.
- L. Rudolph and S. Rudolph, (2008) 'Explaining Indian Institutions: A Fifty Year Perspective, 1956-2006', Volume 2, New Delhi, Oxford University Press.
- M. Singh, and R. Saxena (2011) (eds.), 'Indian Politics: Constitutional Foundations and Institutional Functioning', Delhi: PHI Learning Private Ltd.
- K. Roy, C. Saunders and J. Kincaid (2006) (eds.) 'A Global Dialogue on Federalism', Volume 3Montreal, Queen's University Press
- आस्टिन, ग्रेनविल (2017) : भारतीय संविधान : राष्ट्र की आधार शिला, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- लक्ष्मीकान्त, एम0 (2012) : भारतीय राज व्यवस्था, टाटा मैकग्रा हिल प्रकाशन, नोएडा
- कटारिया, सुरेन्द्र (2018) : भारतीय संविधान राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली, मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर
- मंगलानी, रूपा (2020) : भारतीय शासन एवं राजनीति, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
- सईद, एस0एम0 (2016) : भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, भारत बुक सेन्टर, लखनऊ

एम ए प्रथम सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान पंचम प्रश्न पत्र

प्रोजेक्ट कार्य (MPS 105)

उद्देश्य- यह प्रश्न पत्र एम. ए प्रथम. सेमेस्टर के 4 प्रश्नपत्रों पर आधारित होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थी के अंदर पूर्व के 4 प्रश्नपत्रों के संदर्भ में व्यवहारिक समझ विकसित करना होगा।

ईकाई:-1

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-2

एम.ए प्रथम. सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-3

एम.ए प्रथम. सेमेस्टर के तृतीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-4

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

Rajaram

एम ए द्वितीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक राजनीतिक चिंतन (MPS 201)

उद्देश्य - यह प्रश्न पत्र विद्यार्थियों को आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन के महत्वपूर्ण विचारकों की पृष्ठभूमि, प्रभावित करने वाले विचार और उनके महत्वपूर्ण चिंतन से परिचय कराएगा। यह प्रश्न पत्र विद्यार्थियों को चिंतन की प्रमुख धाराओं आदर्शवाद, मार्क्सवाद, नवमार्क्सवाद एवं नव उदारवाद को समझने के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

- **इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य पाश्चात्य यथार्थवादी चिंतन परंपरा से विद्यार्थियों को परिचित कराना है।**
- **वैज्ञानिक समाजवाद के प्रमुख सिद्धांतों से परिचित कराना।**
- **आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन की नवीनतम परंपराओं से अवगत कराना।**

इकाई:- 1

हीगल, ग्रीन

इकाई:-2

कार्ल मार्क्स, माओ

इकाई:- 3

ग्राम्शी, हन्ना ऑरेन्ट

इकाई:- 4

जॉन रॉल्स , हर्बर्ट मार्क्युजे

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

Rajaram

अधिगम परिणाम-

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी विभिन्न विचारधाराओं के मध्य अंतर को स्पष्ट कर सकेगा। इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक विचारकों की विषयनिष्ठ समझ के साथ-साथ वस्तुनिष्ठ समझ भी विकसित होगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची-

- B. Nelson, (2008) 'Western Political Thought'. New York, Pearson Longman.
- D. Boucher, and P. Kelly, (2003) (eds.) 'Political Thinkers: From Socrates to the Present'.New York, Oxford University Press.
- Gramsci, Antonio(1996), 'Selections from the Prison Notebooks', Orient Longman, Hyderabad
- Hacker, A. (1961), 'Political Theory: Philosophy, Ideology, Science', Macmillan, New York.
- Mukherjee, Subrato and Susheela Ramaswamy(2011) 'History of political Thought: Plato to Marx', PHI Publishers , New Delhi
- Rawls, John (2011), 'A Theory of Justice', Universal Law Publishing Co., New Delhi.
- Sabine, George, H. (1973). 'A History of Political Theory', Oxford and I.B.H. Publishing, New Delhi.
- Wayper. C.L (1989), 'Political Thought', B.I. Publications, Bombay.
- D. Germino (1972). Modern Western Political Thought: Machiavelli to Marx, Chicago University Press, Chicago.
- F.W. Coker (1971). Recent Political Thought, The World Press Pvt. Ltd., Calcutta.
- J.H. Hallowell (1960). Main Currents in Modern Political Thought, Holt, New York.

Rajanp

एम ए द्वितीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान द्वितीय प्रश्न पत्र

लोक प्रशासन के सिद्धांत (MPS 202)

उद्देश्य- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी न सिर्फ लोक प्रशासन के सिद्धांतों बल्कि इसके व्यवहारिक पक्षों भी परिचित होंगे। इस पाठ्यक्रम की संरचना ऐसी है कि प्रक्रिया के साथ-साथ एक विषय के रूप में लोक प्रशासन के विकास की समझ को विकसित करने में सहयोग करेगा लोक प्रशासन का यह पाठ्यक्रम अकादमिक परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी बेहद उपयोगी है।

- एक विषय के रूप में लोक प्रशासन के प्रारंभ एवं विकास प्रक्रिया से परिचित कराना।
- लोक प्रशासन के कार्यकरण के संगठनात्मक स्वरूप का अध्ययन करना।
- लोक प्रशासन को व्यवहारिक स्वरूप प्रदान करने वाले अनेक विचारकों के संबंध में सामान्य जानकारी उपलब्ध कराना।
- प्रशासन के समुचित संचालन से संबंधित वित्तीय प्रशासन का अध्ययन करना।

इकाई:- 1 : परिचय -

- लोक प्रशासन : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र और महत्व
- लोक प्रशासन और निजी प्रशासन
- एक विषय के रूप में लोक प्रशासन का विकास
- लोक प्रशासन की अध्ययन पद्धति: ऐतिहासिक, कानूनी, वैज्ञानिक, व्यवहारात्मक

इकाई:-2 : संगठन -

- संगठन: अर्थ, प्रकार और आधार
- संगठन के सिद्धांत: पदसोपान, आदेश की एकता, नियंत्रण का विस्तार क्षेत्र
- लाइन, स्टाफ व सहायक अभिकरण
- मुख्य कार्यपालिका: प्रकार , कार्य और भूमिका

Rajaram

इकाई:- 3 : कार्मिक प्रशासन -

- भर्ती : महत्त्व, पद्धति एवं समस्याएं
- प्रशिक्षण: उद्देश्य और प्रकार
- पदोन्नति: सिद्धांत और महत्त्व
- नौकरशाही

इकाई:- 4 : वित्तीय प्रशासन

- बजट
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
- सुशासन
- लोकपाल, लोकायुक्त एवं सूचना का अधिकार

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम-

यह पाठ्यक्रम लोक प्रशासन की प्राथमिक अवधारणाओं को स्पष्ट करता है। इसमें वर्णित अध्ययन पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थी लोक प्रशासन को व्यवहारिक तरीके से समझ सकते हैं। प्रक्रिया के रूप में लोक प्रशासन की कार्यपद्धति को समझाने में यह प्रश्न पत्र बहुत उपयोगी है। इसके माध्यम से संगठन की संरचना और उसके सिद्धांतों के साथ-साथ कार्मिक प्रशासन और वित्तीय प्रशासन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं से भली भांति परिचित हुआ जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची-

- B. Chakrabarty and M. Bhattacharya (eds), 'Administrative Change and Innovation: A Reader', New Delhi, Oxford University Press.
- Basu, Rumki, (2014) 'Public Administration: Concepts and Theories', Sterling Publishers, New Delhi
- D. Ravindra Prasad, Y. Pardhasaradhi, V. S. Prasad and P. Satyrnarayana, (2010) (eds.) 'Administrative Thinkers', Sterling Publishers.

Rajaur

- J. Shafritz, and A. Hyde, (2004) (eds.) 'Classics of Public Administration', 5th Edition. Belmont, Wadsworth.
- M. Bhattacharya, (2008) 'New Horizons of Public Administration', 5th Revised Edition. New Delhi, Jawahar Publishers.
- M. Bhattacharya, (2011) 'New Horizons of Public Administration', New Delhi: Jawahar Publishers.
- M. Bhattacharya, (2012) 'Restructuring Public Administration: A New Look', New Delhi, Jawahar Publishers,
- N. Henry, (2013) 'Public Administration and Public Affairs', 12th edition. New Jersey, Pearson,
- Shafritz, J. and Hyde, A. , (1997) (eds.) 'Classics of Public Administration', 4th Edition. Forth Worth, Hartcourt Brace, TX.
- B. Chakrabarty and M. Bhattacharya (2003) (eds.), 'Public Administration: A Reader', New Delhi, Oxford University Press.
- B. Chakrabarty, (2007) 'Reinventing Public Administration: The India Experience'. New Delhi, Orient Longman,
- B. Miner, (2006) 'Organisational Behaviour: Historical Origins and the Future'. New York,
- F. Riggs, (1964) 'Administration in Developing Countries: The Theory of Prismatic Society'. Boston, Houghton Miffin.
- F. Riggs, (1961) 'The Ecology of Public Administration', Part 3, New Delhi, Asia Publishing House.
- M. Bhattacharya, (2006) 'Social Theory, Development Administration and Development Ethics', New Delhi, Jawahar Publishers.
- Nivedita Menon (1999), (ed.) 'Gender and Politics', New Delhi, Oxford University Press.
- Peter F. Ducker, (2006) 'The Practice of Management', Harper Collins.
- S. Maheshwari,(2009) 'Administrative Thinkers', New Delhi: Macmillan

एम ए द्वितीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान तृतीय प्रश्न पत्र

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (MPS 203)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य समकालीन विश्व में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की बदलती हुई प्रकृति और उसको प्रभावित करने वाले कारकों से परिचित कराना है। इस प्रश्न पत्र की संरचना इस प्रकार से बनाई गई है कि यह अकादमिक परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी बेहद उपयोगी साबित होगा।

- इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय संबंध के वर्तमान प्रतिमानो से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- अंतर्राष्ट्रीय कानून एवं एवं शस्त्री करण के परिप्रेक्ष्य में शांति एवं सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं से अवगत कराना।
- अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की स्थापना के लिए अंतर्राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगठनों की उपादेयता का परीक्षण करना।
- अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समझ उत्पन्न प्रमुख चुनौतियों एवं उनके संभावित समाधान का अध्ययन

इकाई:- 1

- वैश्वीकरण
- उत्तर-दक्षिण संवाद
- विश्व व्यापार संगठन
- नवीन अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था

इकाई:-2

- अंतर्राष्ट्रीय कानून
- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय
- सामूहिक विनाश के हथियार
- भयादोहन

इकाई:- 3

- संयुक्त राष्ट्र संघ : उद्देश्य एवं सिद्धांत
- सुरक्षा परिषद में सुधार के मुद्दे
- क्षेत्रीय संगठन: दक्षेस, यूरोपीयन यूनियन, आसियान, ब्रिक्स, जी-20, शंघाई सहयोग संगठन

इकाई:- 4

- समकालीन चुनौतियां : आतंकवाद, पर्यावरण, मानवाधिकार
- प्रवासन और शरणार्थी समस्या
- परमाणु अप्रसार के मुद्दे

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम-

यह प्रश्न पत्र वैश्वीकृत दुनिया में आए परिवर्तन ,उत्तर-दक्षिण संवाद और नवीन अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक अर्थव्यवस्था की स्थिति को अवधारणात्मक स्तर पर समझाने में उपयोगी साबित होगा। इस पाठ्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ-साथ क्षेत्रीय संगठनों को भी विस्तार से शामिल किया गया है। वर्तमान विश्व किन चुनौतियों से जूझ रहा है विद्यार्थी उन मुद्दों से भी परिचित होंगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची-

- Basu, Rumki (2014) 'United Nations: Structure and Functions of an international organization', New Delhi, Sterling Publishers
- Baylis, J. and Smith, S. (2008) (eds.) 'The Globalization of World Politics: An Introduction to International Relations'. 4th edn. Oxford, Oxford University Press.
- Gareis, S.B. and Varwick, J. (2005) 'The United Nations: an introduction'. Basingstoke, Palgrave.
- Goldstein, J. and Pevehouse, J.C. (2006) 'International Relations'. 6th edn. New Delhi, Pearson.
- Saxena, J.N. (1986) et.al. 'United Nations for a Better World' New Delhi, Lancers.

- White, B. et al. (eds.) (2005) 'Issues in World Politics', 3rd edn. New York, Macmillan.
- Whittaker, D.J. (1997) 'United Nations in the Contemporary World', London, Routledge.
- Appadorai and Rajan, M. S. (eds.) (1985) India's Foreign Policy and Relations. New Delhi: South Asian Publishers.
- Art, R. J. and Jervis, R. (eds.) (1999) International Political Enduring: Concepts andContemporary Issues.5th Edition. New York: Longman, pp. 7□14; 29□49; 119□126.
- Basu, Rumki (ed)(2012) International Politics: Concepts theories and Issues. New Delhi, Sage Publications India Pvt Ltd.
- Baylis, J. and Smith, S. (eds.) (2011) The Globalization of World Politics: An Introduction to International Relations. Fifth Edition. Oxford: Oxford University Press.
- Ganguly, S. (ed.) (2009) India's Foreign Policy: Retrospect and Prospect. New Delhi: Oxford University Press.
- Goldstein, J. and Pevehouse, J.C. (2009) International Relations. New Delhi: Pearson

Rajaraj

एम ए द्वितीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान चतुर्थ प्रश्न पत्र

भारतीय राजनीति के मुद्दे (MPS 204)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र की संरचना का उद्देश्य संविधान निर्माण के पश्चात भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में आए परिवर्तन से परिचित कराना है । यह पाठ्यक्रम संवैधानिक संरचना और राजनीतिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाले सभी पक्षों को शामिल करता है।

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य परिवर्तित वैश्विक प्रतिमानों के प्रति भारतीय प्रतिक्रिया एवं भारत में संचालित मानव विकास प्रतिमानों का अध्ययन करना है।
- सामाजिक न्याय की अवधारणा के अंतर्गत विविध समूहों के हितोनुरूप निर्धारित नीतियों एवं कार्यक्रमों का अध्ययन करना।
- भारतीय राजनीतिक व्यवस्था एवं विकास प्रक्रिया के संचालन की प्रमुख बाधाओं एवं निवारण विधियों से अवगत कराना।
- महिलाओं से संबंधित समस्याओं एवं उनके उन्मूलन से अवगत कराना।
- आतंकवाद के प्रति भारतीय दृष्टिकोण एवं नीति का अध्ययन करना।

इकाई:- 1

- भारत में विकास योजना मॉडल
- नव आर्थिक नीति
- वृद्धि एवं मानव विकास
- वैश्वीकरण का सामाजिक एवं आर्थिक निहितार्थ

इकाई:-2

- पहचान की राजनीति: धर्म,जाति, क्षेत्र व भाषा ।
- सामाजिक आंदोलन : दलित , जनजाति, महिला, किसान एवं श्रमिक
- राजनीतिक दलों की विचारधारा तथा सामाजिक आधार: राष्ट्रीय दल और राज्य स्तरीय दल

Rajaram

इकाई:- 3

- भ्रष्टाचार : कारण व निवारण।
- सुशासन, ई-शासन,
- सकारात्मक कार्यवाही की राजनीति।

इकाई:- 4

- भारत में जेंडर की राजनीति
- महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा, यौन शोषण , लैंगिक न्याय
- आतंकवाद: कारण और आतंकवाद के विरुद्ध भारत की रणनीति

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम-

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी भारत के विकास के विभिन्न मॉडलों से परिचित होंगे।भारतीय राजनीति पर वैश्वीकरण के प्रभाव को समझने में भी यह मदद करेगा। यह प्रश्न पत्र भारतीय राजव्यवस्था को प्रभावित करने वाले विचारों एवं कारणों की भी विस्तार से व्याख्या करता है। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी राजनीतिक दलों की स्थिति से परिचित होंगे तथा शासन व्यवस्था में भ्रष्टाचार व इसके निवारण के लिए विकसित किए गए नवीन साधनों से भी परिचित होंगे। यह प्रश्न पत्र भारतीय राजव्यवस्था में महिलाओं से संबंधित मुद्दों को भी विस्तार से समझने में मददगार साबित होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची-

- G. Austin, (2010) 'The Indian Constitution: Cornerstone of a Nation', New Delhi, Oxford University Press, 15th print.
- R. Bhargava (ed.) 'Politics and Ethics of the Indian Constitution', New Delhi, Oxford University Press.
- D. Basu, (2012) 'Introduction to the Constitution of India', New Delhi, Lexis Nexis.
- S. Chaube, (2009) 'The Making and Working of the Indian Constitution', New Delhi, National Book Trust.
- G. Austin, (2000) 'Working a Democratic Constitution', New Delhi, Oxford University Press.

Rajaram

- B. Shankar and V. Rodrigues, (2011), 'The Indian Parliament: A Democracy at Work', New Delhi: Oxford University Press.
- P. Mehta and N. Jayal (2010) (eds.) 'The Oxford Companion to Politics in India', New Delhi, Oxford University Press.
- Kaviraj, Sudipta(2009) 'Politics in India', Oxford University Press, New Delhi
- • Kohli, Atul (2004) (ed.) 'The Success of India's Democracy', New Delhi, Cambridge University Press.
- Kothari,R (1970) 'Caste in Indian Politics', Delhi, Orient Longman.
- M. John, (ed) (2008) 'Women in India: A Reader, Penguin , India
- P. Brass, (1999) 'The Politics of India since Independence, New Delhi, Cambridge University Press and Foundation Books.
- P. Mehta and N. Jayal (2010) (eds.) 'The Oxford Companion to Politics in India', New Delhi, Oxford University Press.
- Z. Hasan (2002) (ed.) 'Parties and Party Politics in India', New Delhi: Oxford University

एम ए द्वितीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान पंचम प्रश्न पत्र

प्रोजेक्ट कार्य (MPS 205)

उद्देश्य- यह प्रश्न पत्र एम. ए द्वितीय. सेमेस्टर के 4 प्रश्नपत्रों पर आधारित होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थी के अंदर पूर्व के 4 प्रश्नपत्रों के संदर्भ में व्यवहारिक समझ विकसित करना होगा।

ईकाई:-1

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास. प्रोजेक्ट. फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-2

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास. प्रोजेक्ट. फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-3

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के तृतीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास. प्रोजेक्ट. फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-4

एम.ए द्वितीय. सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास. प्रोजेक्ट. फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

Ranjan

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान प्रथम प्रश्न पत्र

राजनीतिक सिद्धांत एवं राजनीतिक परंपराएं (MPS 301)

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य राजनीतिक सिद्धांत में वैचारिक विश्लेषण के कुछ प्रमुख पहलुओं और अवधारणाओं के अनुप्रयोग के आसपास की बहस में शामिल होने के लिए आवश्यक कौशल का परिचय देना है।

- इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को राजनीति विज्ञान के आधुनिक विचारों से परिचित कराना है।
- राजनीतिक व्यवस्था के संचालन में शक्ति, सत्ता एवं वैधता के अंतरसंबंधों से अवगत कराना।
- उत्तर आधुनिकतावाद के परिप्रेक्ष्य में समाज की मूल व्यवस्था से अवगत कराना।
- गांधीवादी दर्शन के विविध पहलुओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा आधुनिक परिप्रेक्ष्य में उन विचारों की उपादेयता का निर्धारण करना।

ईकाई:-1

- स्वतंत्रता
- समानता
- न्याय

ईकाई:-2

- नागरिकता
- अधिकार
- लोकतंत्र

ईकाई:-3

- शक्ति
- सत्ता
- वैधता
- ईकाई:-4
- उदारवाद
- समाजवाद
- गांधीवाद
- उत्तर आधुनिकतावाद

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम-

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी राजनीतिक सिद्धांत की प्रमुख परंपराओं एवं अवधारणाओं से परिचित होंगे जिसके माध्यम से वे विभिन्न विचारधाराओं का गहन अध्ययन और अनुसंधान कर सकेंगे। यह प्रश्न पत्र चिंतन की विभिन्न धाराओं के तुलनात्मक अध्ययन में भी उपयोगी साबित होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- Bhargava, R. and Ashok Acharya (2008) 'Political Theory: An Introduction. New Delhi: Pearson Longman.
- Vinod, M.J and Deshpande, Meena (2013) 'Contemporary Political Theory', PHI, New Delhi
- Verma, S. P. (1996) 'Modern Political Theory', Vikash Publishing, 3rd Reprint, New Delhi.
- Ramaswamy, Sushila (2010), 'Political Theory: Ideas and Concepts', PHI Learning, New Delhi
- Bellamy, R. (1993), (ed.) 'Theories and Concepts of Politics'. New York: Manchester University Press.
- Marsh, D. and Stoker, G. (eds.) 'Theory and Methods in Political Science'. London: Macmillan.
- Heywood, Andrew (2016) (Reprint) 'Political Theory: An Introduction', Palgrave, UK.
- Kukathas, Ch. and Gaus, G. F. (2004) (eds.) 'Handbook of Political Theory'. New Delhi, Sage.
- Vincent, A. (2004) 'The Nature of Political Theory'. New York: Oxford University Press.
- Mckinnon, C. (ed.) (2008) 'Issues in Political Theory', New York: Oxford University Press.
- Arblaster, A. (1994) 'Democracy', (2nd Edition), Buckingham: Open University Press.
- Parekh, B. (2000), 'Rethinking Multiculturalism: Cultural Diversity and Political Theory', Macmillan Press, London.

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन (MPS 302)

उद्देश्य - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचारों और इसकी विशेषताओं का परिचय देना है। अध्ययन का मूल ध्यान व्यक्तिगत विचारकों पर है। समग्र रूप से पाठ्यक्रम विभिन्न सामाजिक संदर्भों से व्यक्तिगत विचारकों के विशिष्ट ज्ञान को प्रोत्साहित करते हुए भारतीय विचार की व्यापक धाराओं की भावना प्रदान करने के लिए है।

- इस प्रश्न पत्र का प्रमुख उद्देश्य प्राचीन भारतीय मूल्य व्यवस्था से विद्यार्थियों को परिचित कराना है।
- प्राचीन भारतीय चिंतन परंपरा से अवगत कराना।
- भारतीय पुनर्जागरण के कारणों, परिस्थितियों एवं उस काल के प्रतिनिधि भारतीय चिंतकों के राजनीतिक दर्शन एवं सुधार योजनाओं से परिचित कराना।

ईकाई:-1

- प्राचीन भारतीय चिंतन: विशेषताएं
- धर्मशास्त्र
- कौटिल्य

ईकाई:-2

- जियाउद्दीन बरनी
- अबुल फजल
- कबीर

ईकाई:-3

- भारतीय पुनर्जागरण एवं राजा राममोहन राय
- दयानंद सरस्वती
- ई वी रामास्वामी पेरियार

ईकाई:-4

- पंडिता रमाबाई
- स्वामी विवेकानंद
- रविंद्र नाथ टैगोर

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम -

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी भारतीय राजनीतिक चिंतन की विभिन्न धाराओं से परिचित होंगे। यह प्रश्न पत्र प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन को समावेशी तरीके से प्रस्तुत करता है जहां विद्यार्थी पाठ्यक्रम में उल्लिखित विचार को की पृष्ठभूमि उनके विचार और कार्यों का गहन अध्ययन कर पाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- A. Appodoroy, (2002) 'Political Thought in India, Delhi, Khama Publication.
- A. B. M, (1976), 'The Foundation of Muslim Rule in India', Allahabad, Central Book Depot.
- Brown, (2003) 'The Verses of Vemana', Asian Educational Services, Delhi.
- Habib, Irfan.(1995) 'Essays in Indian History', New Delhi, Tulika Publications.
- Roy, Himanshu and Singh, M. (2017), 'Indian Political Thought: Themes and Thinker', Second Edition, New Delhi, Pearson.
- S. Saberwal, (2008) 'Spirals of Contention', New Delhi, Routledge,
- Sharma, R. S (1991) 'Aspects of Political Ideas Institutions in Ancient India, Delhi, Motilal Banarsidas.
- T. Pantham, and K. Deutsch (1986) (eds.), Political Thought in Modern India, New Delhi, Sage Publications.
- Thapar, Romila, (1997) 'Ashok and the Decline of the Mauryas, ' New York, Oxford University Press.
- V. Mehta, (1992) 'Foundations of Indian Political Thought, New Delhi, Manohar Publications.
- V.P. Varma, (1974) 'Studies in Hindu Political Thought and Its Metaphysical Foundations', New Delhi, Motilal Banarsidass.
- A. Fazl, (1873) 'The Ain-i Akbari ' (translated by H. Blochmann), Calcutta: G. H. Rouse.
- J. Spellman, (1964) 'Political Theory of Ancient India: A Study of Kingship from the Earliest time to Ceirca AD 300, Oxford, Clarendon Press.
- L. Hess and S. Singh, (2002) 'The Bijak of Kabir', New Delhi, Oxford University Press.
- R. Kangle (ed. and trns.), 'Arthasastra of Kautilya', New Delhi, Motilal Publishers.
- S. Collins, (2001) 'Agganna Sutta: The Discussion on What is Primary (An Annotated Translation from Pali), Delhi, Sahitya Akademi.

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र-तृतीय(अ)

प्रमुख राष्ट्रों की विदेश नीति (MPS 303)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य समकालीन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित करने वाली महाशक्तियों की विदेश नीति का अध्ययन करना है।

- इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अमेरिकी विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांतों का अध्ययन करना तथा विश्व के अन्य प्रमुख देशों तथा प्रमुख विश्व समस्याओं के प्रति अमेरिकी नीतियों का अवलोकन करना है।
- वर्तमान परिदृश्य में अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के परिवेश में रूस की विदेश नीति का परीक्षण करना ।
- चीन की विस्तारवादी नीतियों तथा इसके पड़ोसी एवं अन्य देशो एवं अंतराष्ट्रीय व्यवस्था पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- विशेषतः अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा एवं सहयोग की ब्रिटेन एवं फ्रांस की नीतियों का परीक्षण करना।

ईकाई:-1

संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति

ईकाई:-2

रूस (पूर्व सोवियत संघ) की विदेश नीति

ईकाई:-3

चीन की विदेश नीति

ईकाई:-4

ब्रिटेन और फ्रांस की विदेश नीति

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम-

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी प्रमुख राज्यों की विदेश नीति के निर्धारक तत्व को स्पष्ट रूप से जान सकेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थी इन महा शक्तियों की विदेश नीति के कार्यकरण से भी परिचित होंगे।

संदर्भ सूची-

• S. Mehrotra, (1990) 'Indo-Soviet Economic Relations: Geopolitical and Ideological Factors', in India and the Soviet Union: Trade and Technology Transfer, Cambridge University Press: Cambridge.

• Sengupta, Bhabani(1998), Fulcrum of Asia relations among China, India, Pakistan and the USSR, New Delhi: Konark Publishers.

• W. Anderson, (2011) 'Domestic Roots of Indian Foreign Policy', in W. Anderson, Trysts with Democracy: Political Practice in South Asia, Anthem Press: University Publishing Online.

A. Ganguly, S. and Rahul Mukherji(2011), India since 1980, New Delhi: Cambridge University Press.

• Ghosh, Partha S.(1989), Cooperation and conflict in South Asia, New Delhi: Manohar.

• Gould, H.A. and Sumit Ganguly (eds.)(1993), The Hope and the Reality: U.S.-Indian Relations from Roosevelt to Reagan, New Delhi: Oxford & IBH.

• Gujral, I.K.(1998), A foreign policy for India, Delhi: External publicity division, MEA, Government of India

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र-तृतीय(ब)

अंतर्राष्ट्रीय विधि (MPS 304)

- इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय विधि की सामान्य प्रकृति, उसके प्रमुख सिद्धांतों एवं वैधानिकता का अध्ययन करना है।
- अंतर्राष्ट्रीय कानून के विषय के परिप्रेक्ष्य में मान्यता एवं राष्ट्रीयता प्राप्त होने की विधियों की जानकारी प्राप्त करना।
- राजनीतिक प्रतिनिधियों को प्राप्त विशेषाधिकारों का अध्ययन करना।
- अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में युद्ध एवं उसके दुष्परिणामों के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय विवादों के समाधान की विविध विधियों का अध्ययन करना।

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अंतर्राष्ट्रीय कानून और उसके संचालन की पद्धति तथा उसको प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करना है।

ईकाई:-1 अंतर्राष्ट्रीय कानून की प्रकृति

- अंतर्राष्ट्रीय कानून: परिभाषा, प्रकृति, स्रोत, संधियाँ, परंपराएं तथा अन्य स्रोत
- अंतर्राष्ट्रीय कानून तथा राज्य कानून में संबंध
- एकांगी, द्विवादी तथा अन्य सिद्धांत

ईकाई:-2 प्रत्यर्पण, शरण और मान्यता

- अंतर्राष्ट्रीय कानून के विषय
- राज्य के पारंपरिक एवं आधुनिक मान्यता के सिद्धांत और उनके परिणाम
- राष्ट्रीयता: प्राप्त करने एवं खोने के कारण एवं प्रकार

ईकाई:-3 अंतर्राष्ट्रीय सहक्रियाएं

- प्रत्यर्पण:परिभाषा एवं शर्तें
- शरण: अर्थ एवं प्रकार
- राजनीतिक दूत: कार्य, उन्मुक्तियाँ, विशेषाधिकार

ईकाई:-4 युद्ध

- युद्ध: परिभाषा, युद्ध प्रारंभ करने की शर्तें और उनका प्रभाव
- अंतर्राष्ट्रीय विवादों का समाधान: शांतिपूर्वक तथा बलपूर्वक विधियां
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय: गठन, शक्तियां एवं कार्य

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम- इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी समकालीन विश्व में लागू अंतर्राष्ट्रीय विधियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन कर पाएंगे। यह प्रश्नपत्र प्रत्यर्पण, युद्ध जैसे विशेष मुद्दों को भी गहराई से समझाने में मदद करेगा।

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र-तृतीय(स)

भारतीय प्रशासन (MPS 305)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य भारतीय प्रशासन के माध्यम से लोक प्रशासन के व्यवहारिक पक्ष से विद्यार्थियों को अवगत कराना है।

- इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य भारतीय प्रशासन के कार्यकरण एवं उसके व्यवहारिक पक्ष से अवगत कराना है।
- भारतीय प्रशासन की लंबी विकास यात्रा से अवगत कराना।
- संघीय एवं राज्य प्रशासन के संगठनात्मक स्वरुप एवं स्थानीय स्वशासन की विधियों का अध्ययन करना।
- भारतीय प्रशासन में नियोजन की विधियों ,संस्थाओं एवं इसके कार्यकरण का अध्ययन करना।

ईकाई:-1 भारतीय प्रशासन का विकास

- प्राचीन भारत: अर्थशास्त्र
- मुगल काल
- ब्रिटिश काल:जिला प्रशासन, स्थानीय स्वशासन

ईकाई:-2 संघीय प्रशासन

- विदेश, गृह और वित्त मंत्रालय
- मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय
- भारत में लोक सेवाएं

ईकाई:-3 राज्य प्रशासन

- राज्य सचिवालय
- लोकायुक्त
- स्थानीय स्वशासन: पंचायती राज व्यवस्था

ईकाई:-4 नियोजन

- भारत में नियोजन: योजना आयोग एवं नीति आयोग
- जिला प्रशासन
- जिलाधिकारी

शिक्षण विधि - चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

Rajan

अधिगम परिणाम- इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी भारतीय प्रशासन के विकास, उसकी संरचना और कार्यशैली का गहन अध्ययन कर पाएंगे।

संदर्भ सूची

Awasthi, A. and Maheshwari, S. (2003) Public Administration. Agra: Laxmi Narain Agarwal, pp. 3 12.

•Basu, Rumki, (2014) Public Administration, Concepts and Theories, Delhi Sterling Publishers

•Henry, N. (2003) Public Administration and Public Affairs. New Delhi: Prentice Hall, pp. 1 52.

• Bhattacharya, M. and Chakrabarty, B. (2005) (eds.) Public Administration: A Reader. Delhi: Oxford University Press.

• Basu Rumki (2015) 'Public Administration in India Mandates, Performance and Future Perspectives', New Delhi, Sterling Publishers

• Bidyut Chakrabarty, (2007) 'Reinventing Public Administration: The Indian Experience', Orient Longman,

• Henry, N. (1999) 'Public Administration and Public Affairs', New Jersey, Prentice Hall

• Jean Drèze and Amartya Sen, (1995) 'India, Economic Development and Social Opportunity', Oxford, Oxford University Press.

• R.B. Denhardt and J.V. Denhardt, (2009) 'Public Administration', New Delhi, Brooks/Cole

• Satyajit Singh and Pradeep K. Sharma (2007) (eds.) 'Decentralization: Institutions and Politics in Rural India', Oxford University Press, New Delhi.

• Singh, S. and Sharma, P. (2007) (eds.) 'Decentralization: Institutions and Politics in Rural India'. New Delhi, Oxford University Press.

• Vasu Deva, (2005) 'E-Governance In India: A Reality', Commonwealth Publishers.

• Vijaya Kumar, (2012) 'Right to Education Act 2009: Its Implementation as to Social Development in India', Delhi: Akansha Publishers.

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र-चतुर्थ(अ)

भारत की विदेश नीति (MPS 306)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय विदेश नीति को निर्धारित करने वाले तत्वों और भारतीय विदेश नीति की कार्यशैली से परिचित कराना है।

- **इस प्रश्न पत्र का प्रमुख उद्देश्य भारतीय विदेश नीति का समग्र अध्ययन करना है।**
- **विश्व की प्रमुख महाशक्तियों के साथ भारतीय अंतरसंबंधों का निर्धारण एवं चुनौतियों का अध्ययन करना है।**
- **दक्षिण एशियाई शांति, सुरक्षा एवं विकास के परिप्रेक्ष्य में पड़ोसियों के साथ भारत के पारस्परिक अंतर संबंधों का अध्ययन करना है।**
- **अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के उद्देश से स्थापित विविध क्षेत्रीय संगठनों में भारतीय भूमिका का परीक्षण करना।**

ईकाई:-1

- भारतीय विदेश नीति: निर्धारक तत्व, सिद्धांत एवं उद्देश्य
- गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत एवं प्रासंगिकता
- वैश्विक मुद्दों के संबंध में भारत की नीति: आतंकवाद, पर्यावरण और नाभिकीय हथियार

ईकाई:-2

- भारत-अमेरिका संबंध
- भारत- रूस संबंध
- भारत -चीन संबंध
- सुरक्षा संबंधी चुनौतियां: हिंद महासागर

ईकाई:-3

- दक्षिण एशिया में भारत की नीति:पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश
- अफगानिस्तान और श्रीलंका के साथ भारत के संबंध
- पूर्व की ओर देखो नीति के संदर्भ में दक्षिण पूर्व एशिया के प्रति भारत की नीति

ईकाई:-4

- भारत और सार्क (SAARC)
- भारत और शंघाई सहयोग संगठन(SCO)
- भारत और ब्रिक्स(BRICS)

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम- यह प्रश्नपत्र समकालीन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में भारतीय विदेश नीति की भूमिका को समझाने में सहायक साबित होगा। यह प्रश्न पत्र समकालीन अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की समसामयिक प्रवृत्तियों की समझ विकसित करने में भी सहयोगी होगा।

संदर्भ सूची-

• Appadorai, A. and M.S. Rajan(1988), 'India's Foreign Policy and Relations', New Delhi, South Asian Publishers Pvt. Ltd.

• Bahadur, Kalim (ed.)(1986), 'South Asia in transition: Conflicts and Tensions', New Delhi, Patriots.

• Bandyopadhyaya, J.(2006), 'The making of India's Foreign Policy', New Delhi, Allied Publishers Pvt. Ltd.

• Banerjee, A.K. (ed.)(1998), 'Security issues in South Asia: Domestic and External Sources of
Threats to Security', Calcutta, Minerva.

• Bidwai, Praful and Achin Vanaik (eds.)(1999), 'South Asia on a Short Fuse: Nuclear Politics and the Future of Global Disarmament', New Delhi, Oxford University Press.

• D. Scott (2011)(ed.), 'Handbook of India's International Relations', London, Routeledge.

• Dutt, V.P.(2007), 'India's Foreign Policy Since Independence', New Delhi, National Book Trust.

• Tellis and S. Mirski (2013) (eds.), 'Crux of Asia: China, India, and the Emerging Global Order', Carnegie Endowment for International Peace, Washington.

• A. Ganguly, S. and Rahul Mukherji(2011), India since 1980, New Delhi: Cambridge University Press.

• Ghosh, Partha S.(1989), Cooperation and conflict in South Asia, New Delhi: Manohar.

• Gould, H.A. and Sumit Ganguly (eds.)(1993), The Hope and the Reality: U.S.-Indian Relations
from Roosevelt to Reagan, New Delhi: Oxford & IBH.

• Gujral, I.K.(1998), A foreign policy for India, Delhi: External publicity division, MEA, Government of India.

• Mansingh, Surjeet(1984), India's search for power: Indira Gandhi's foreign policy, 1966-1982 New Delhi: Sage.

• Muni, S.D.(2010), India's Foreign Policy the democracy dimension, New Delhi: Foundation Books.

• Nayar, B.R. and T.V. Paul(2004), India in the world order searching for major power status, New Delhi: Cambridge University Press.

• S. Cohen, (2002) India: Emerging Power, Brookings Institution Press.

• S. Mehrotra, (1990) 'Indo-Soviet Economic Relations: Geopolitical and Ideological Factors', in India and the Soviet Union: Trade and Technology Transfer, Cambridge University Press: Cambridge.

• Sengupta, Bhabani(1998), Fulcrum of Asia relations among China, India, Pakistan and the USSR, New Delhi: Konark Publishers.

• W. Anderson, (2011) 'Domestic Roots of Indian Foreign Policy', in W. Anderson, Trysts with

Democracy: Political Practice in South Asia, Anthem Press: University Publishing Online.

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र-चतुर्थ(ब)

राजनीतिक समाजशास्त्र (MPS 307)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक सिद्धांतों और संरचनाओं को समाजशास्त्री दृष्टिकोण से अध्ययन करना है।

- **इस प्रश्न पत्र का उद्देश राजनीति समाजशास्त्र की सामान्य विशेषताओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना है।**
- **राजनीतिक समाजशास्त्र की प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन करना।**
- **विविध राजनीतिक विधियों का विश्लेषण करना।**
- **भारत में राज्य और समाज, स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के कार्यक्रम का अध्ययन करना।**

ईकाई:-1 राजनीतिक समाजशास्त्र: परिचय

- राजनीतिक समाजशास्त्र: अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र
- राज्यतंत्र और समाज
- राज्य और नागरिकता

ईकाई:-2 प्रमुख अवधारणाएं

- शक्ति और प्राधिकार
- शासन, सरकार और शासकीयता
- अभिजन, शासन वर्ग और जन समूह

ईकाई:-3 राजनीतिक प्रणाली

- खंडीय प्रणाली
- सर्वसत्तावाद
- लोकतांत्रिक

ईकाई:-4 राज्य और सत्ता की स्थानीय संरचना

- भारत में राज्य और समाज
- स्थानीय स्वशासन
- सामाजिक आंदोलन और प्रतिरोध

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

Rajan

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र-चतुर्थ(स)

लघु शोध प्रबंध (MPS 308)

उद्देश्य-

लघु शोध प्रबंध किसी विशिष्ट समस्या अथवा प्रश्न पर एक विस्तृत निबंध होता है। यह शोध से संबद्ध होता है। आधारभूत शोध को निर्देशित करने की क्षमता राजनीति विज्ञान की अत्यंत महत्वपूर्ण दक्षता होती है। इसके द्वारा राजनीति विज्ञान की अपने रुचि वाले क्षेत्रों की छानबीन करने तथा निष्कर्षों को सुगठित प्रलेख रूप में प्रस्तुत करने की अनुमति प्राप्त होती है। इसमें आपको अन्य शोध कार्यों की समीक्षा तक उपयोग की भी अनुमति होती है। लघु शोध प्रबंध में आपसे एक लघु स्तरीय शोध की अपेक्षा की जाती है। इस पाठ्यक्रम का विद्यार्थियों में शोध परक तार्किक आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना है। आप अपने जीवन में प्रतिदिन अनेक प्रसंगों के संदर्भ में पढ़ते, ध्यान देते, निरीक्षण करते, प्रश्न उठाते, व्यवस्थित करते , लिखते तथा विचार प्रस्तुत करते रहते हैं। शोधकर्ता इन्हीं दैनिक दक्षताओं को तथ्यों के रूप में संकलित, चयनित, विश्लेषण तथा प्रस्तुत करते हैं। शोधकर्ता के रूप में आपको रोजमर्रा की इन्हीं बातों को सतर्क, सुविचारित एवं सुव्यवस्थित रूप से उपयोग में लाना है तथा इनके प्रति समीक्षा एवं विश्लेषण पर राय रखनी है। वैकल्पिक मूल्यों, विचारों , अर्थ एवं व्याख्या पर आपको विशेष ध्यान देना है। जबकि पूर्वाग्रहों एवं तथ्यों की तोड़फोड़ के प्रति भी सचेत रहना होगा।

अधिगम परिणाम- इस पाठ्यक्रम की विषय वस्तु विद्यार्थियों के अंदर यह समझ विकसित करेगी कि राजनीति और समाज कैसे एक दूसरे से अंतः क्रिया करते हैं।

संदर्भ सूची-

- Kriesberg, Louis (1998), Constructive Conflicts: From Escalation to Resolution, Rowman & Littlefield, Maryland. Banerjee, A.K. (ed.)(1998), Security issues in South Asia: Domestic and external sources of threats to security, Calcutta: Minerva.

- Levy, Jack, (1995)"Contending Theories of International Conflict: A Levels-of-Analysis Approach" in Crocker et al, Managing Global Chaos, USIP.

- Starkey, Boyer, and Wilkenfield, (1999) Negotiating a Complex World. Rowman & Littlefield, Maryland.

• J. Harris, (2009) 'Power Matters: Essays on Institutions, Politics, and Society in India', Delhi, Oxford University press.

• J. Harriss, (2006) (ed) 'Power Matters: Essays on Institutions, Politics, and Society in India,' Delhi. Oxford University Press.

• K. Suresh, (ed.), (1982) 'Tribal Movements in India', Vol I and II, New Delhi, Manohar (emphasis on the introductory chapter).

• L. Fernandes, (2007) 'India's New Middle Class: Democratic Politics in an Era of Economic Reform', Delhi, Oxford University Press.

• M. Jayal, and P. Mehta, (2010) (eds.), 'The Oxford Companion to Politics in India', Delhi, Oxford University Press.

• M. Mohanty, P. Mukherji and O. Tornquist, (1998)(eds.) 'People's Rights: Social Movements and the State in the Third World', New Delhi, Sage.

• N. Jayal (2012)(ed.) 'Democracy in India', New Delhi, Oxford India Paperbacks, Sixth impression

एम ए सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान पंचम प्रश्न पत्र

प्रोजेक्ट कार्य (MPS 309)

उद्देश्य- यह प्रश्न पत्र एम. ए. तृतीय सेमेस्टर के 4 प्रश्नपत्रों पर आधारित होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थी के अंदर पूर्व के 4 प्रश्नपत्रों के संदर्भ में व्यवहारिक समझ विकसित करना होगा।

ईकाई:-1

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-2

एम.ए तृतीय. सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-3

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के तृतीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-4

एम.ए तृतीय. सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

Rajaram

एम ए चतुर्थ सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान-प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक भारतीय सामाजिक और राजनीतिक चिंतन (MPS 401)

उद्देश्य : इस प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक भारत के सामाजिक और राजनीतिक विचारकों के जीवन और चिंतन से परिचित कराना है। यह पाठ्यक्रम विभिन्न विचारधाराओं के विचारकों को शामिल करता है।

- **इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन की विभिन्न धाराओं से परिचित कराना है।**
- **स्वतंत्र भारत की सामाजिक, राजनीतिक स्वरुप निर्धारण के उद्देश से प्रस्तुत किए गए भारतीय चिंतकों के विचारों का अध्ययन करना।**
- **भारतीय समाजवादी चिंतक परंपरा का अध्ययन करना।**
- **सामाजिक न्याय के परिवेश में प्रस्तुत किए गए विचारों का अध्ययन करना।**

ईकाई:-1

- बाल गंगाधर तिलक
- महात्मा गांधी
- इकबाल

ईकाई:- 2

- महर्षि अरविंद
- डॉक्टर भीमराव अंबेडकर
- वी डी सावरकर

ईकाई:-3

- एम एन रॉय
- जवाहरलाल नेहरू
- दीनदयाल उपाध्याय

ईकाई:-4

- राममनोहर लोहिया
- जयप्रकाश नारायण
- जननायक चंद्रशेखर

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम- यह प्रश्न पत्र राष्ट्रीय आंदोलन के दौर में भारतीय समाज को अपने विचारों और कार्यों से प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण विचारकों के जीवन और चिंतन को विस्तार से समझने में विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक भारत के निर्माताओं से परिचित होंगे।

संदर्भ सूची-

• A. Sen, (2003) 'Swami Vivekananda', Delhi, Oxford University Press.
• D. Dalton, (1982) 'Indian Idea of Freedom: Political Thought of Swami Vivekananda, Aurobindo Ghose, Rabindranath Tagore and Mahatma Gandhi', Academic Press, Gurgaon.
• G. Omvedt, (2008) 'Ramabai: Women in the Kingdom of God', in Seeking Begumpura: The Social Vision of Anti Caste Intellectuals, New Delhi, Navayana.
• M. Kosambi (2000) (ed.), 'Pandita Ramabai Through her Own Words: Selected Works', New Delhi, Oxford University Press.
• Raghuramaraju, (2007) 'Debates in Indian Philosophy: Classical, Colonial, and Contemporary', Delhi, Oxford University Press.
• S. Sarkar, (1985) 'A Critique on Colonial India', Calcutta, Papyrus.
• Sh. Kapila (2010) (ed.), 'An intellectual History for India', New Delhi: Cambridge University Press.
• T. Pantham and K. Deutsch (1986), (eds.) 'Political Thought in Modern India', New Delhi, Sage.
• V. Mehta and T. Pantham (eds.), (2006) 'A Thematic Introduction to Political Ideas in Modern India: Thematic Explorations, History of Science, Philosophy and Culture in Indian civilization' Vol. 10, Part: 7, New Delhi, Sage Publication.

Ranjan

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान द्वितीय प्रश्नपत्र

समकालीन राजनीतिक विचारधाराएं (MPS 402)

उद्देश्य:- इस प्रश्नपत्र का मुख्य उद्देश्य विचारधारा की संकल्पना को समझने के साथ-साथ समकालीन विचारधाराओं का गहन विश्लेषणात्मक अध्ययन करना है।

- **इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य समकालीन चिंतन परंपरा से अवगत कराना है।**
- **शीत युद्धोत्तर विश्व परिदृश्य में राजनीति विचारधारा के विविध प्रतिमानो का अध्ययन करना।**
- **भूमंडलीकरण की वर्तमान युग में राष्ट्र-राज्य एवं राष्ट्रवाद के परिवर्तित स्वरुप का अध्ययन करना।**
- **महिला सशक्तिकरण के परिवेश में प्रचलित नारीवादी विचार एवं विचारधाराओं का अध्ययन करना।**

ईकाई-1

- विचारधारा:- संकल्पना / अवधारणा, विचारधारा एवं राजनीतिक सिद्धांत के मध्य संबंध, मार्क्सवादी परंपरा में विचारधारा
- विचारधारा के अंत का विमर्श
- इतिहास के अंत से संबंधित विवाद, सभ्यताओं के संघर्ष का मुद्दा

इकाई:- 2

- राष्ट्रवाद:- उद्भव और विकास, पाश्चात्य एवं पूर्वी राष्ट्रवाद में अंतर
- भूमंडलीकरण:- भूमंडलीकरण के युग में राष्ट्र राज्य

यूनिट 3

- समतावादी उदारवाद:- जॉन रॉल्स
- स्वेच्छातंत्रवाद:- रॉबर्ट नॉजिक
- नवमार्क्सवाद:- एंटोनियो ग्राम्शी, हरबर्ट मरक्यूजे

इकाई:- 4

- समुदायवाद: माइकल वाल्जर, चार्ल्स टेलर
- बहुसंस्कृतिवाद: अर्थ और प्रकृति
- नारीवाद: उदारवादी, समाजवादी, रेडिकल, पारिस्थितिकी नारीवाद।

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम- इस प्रश्नपत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी समकालीन राजनीतिक विचारधाराओं का गहन विश्लेषण कर पाएंगे। यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों के लिए बेहद परीक्षोपयोगी साबित होगा।

संदर्भ सूची-

Verma, S. P. (1996) 'Modern Political Theory', Vikash Publishing, 3rd Reprint, New Delhi.

- Vinod, M.J and Deshpande, Meena (2013) Contemporary Political Theory, PHI, New Delhi
- Ramaswamy, Sushila (2010), 'Political Theory: Ideas and Concepts', PHI Learning, New Delhi
- Bellamy, R. (1993), (ed.) Theories and Concepts of Politics. New York: Manchester University Press.
- Marsh, D. and Stoker, G. (eds.) 'Theory and Methods in Political Science'. London, Macmillan.
- Heywood, Andrew (2016) (Reprint), 'Political Theory: An Introduction', Palgrave, UK.
- Bellamy, Richard and Mason, Andrew (1993) (eds.) 'Political Concepts' Manchester, Manchester
University Press.
- Knowles, Dudley. (2001) 'Political Philosophy', London, Routledge.
- Mckinnon, Catriona (2008) (ed.) 'Issues in Political Theory', New York: Oxford University Press.
- Swift, Adam. (2001) 'Political Philosophy: A Beginners Guide for Student's and Politicians', Cambridge, Polity Press.
- La Follett, Hugh (2003) (ed.) 'The Oxford Handbook of Practical Ethic'. New York, Oxford University Press.
- Knowles, Dudley. (2001) 'Political Philosophy', London, Routledge.

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र-तृतीय(अ)

संयुक्त राष्ट्र और विश्व शांति (MPS 403)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र का विशेषीकृत अध्ययन करना है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व शांति के साथ-साथ भारत की संयुक्त राष्ट्र में स्थिति का अध्ययन करना भी इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य है।

- **इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं व्यवस्था के उद्देश से गठित अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के गठन एवं कार्य प्रक्रिया का अध्ययन करना है।**
- **संयुक्त राष्ट्र के मानव कल्याण से संबंधित गतिविधियों का अध्ययन करना।**
- **संयुक्त राष्ट्र की शांति योजनाओं एवं भारतीय दृष्टिकोण का अध्ययन करना।**
- **भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता मांग के विविध पहलुओं का अध्ययन करना।**

ईकाई:-1 संयुक्त राष्ट्र और उसका विकास

- संयुक्त राष्ट्र की स्थापना:उद्देश्य और सिद्धांत
- संयुक्त राष्ट्र और शक्ति का उपयोग: आत्मरक्षा, सामूहिक सुरक्षा
- संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति: आतंकवाद का मुद्दा

ईकाई:-2 अंतर्राष्ट्रीय शांति

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद: शांति संबंधी कार्य, नवीन चिंताएं, परिवर्तित होता स्वरूप
- संयुक्त राष्ट्र साधारण सभा: शांति स्थापना संबंधी भूमिका, शांति स्थापना संबंधी प्रस्तावों पर एकता और उसकी उपयोगिता

ईकाई:-3

- संयुक्त राष्ट्र और मानव कल्याण: सामाजिक, मानवीय कल्याण संबंधी कार्य
- संयुक्त राष्ट्र और नव उपनिवेशवाद: बहुराष्ट्रीय निगमों और बहुपक्षीय एजेंसियों की भूमिका

ईकाई:-4 भारत और संयुक्त राष्ट्र संघ

- संयुक्त राष्ट्र की शांति भूमिका में भारत
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्यता संबंधी भारत की मांग
- संयुक्त राष्ट्र में वैश्विक मुद्दों पर भारत का दृष्टिकोण

शिक्षण विधि - चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम- इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी संयुक्त राष्ट्र की संरचना उसके उद्देश्य और सिद्धांतों से परिचित होंगे इसके साथ-साथ विद्यार्थियों में संयुक्त राष्ट्र की कार्यशैली के प्रति भी एक गहन अंतर्दृष्टि विकसित होगी।

संदर्भ सूची-

- Basu, Rumki (2014) 'United Nations: Structure and Functions of an international organization', New Delhi, Sterling Publishers
- Baylis, J. and Smith, S. (2008) (eds.) 'The Globalization of World Politics: An Introduction to International Relations'. 4th edn. Oxford, Oxford University Press.
- Gareis, S.B. and Varwick, J. (2005) 'The United Nations: an introduction'. Basingstoke, Palgrave.
- Goldstein, J. and Pevehouse, J.C. (2006) 'International Relations'. 6th edn. New Delhi, Pearson.
- Saxena, J.N. (1986) et.al. 'United Nations for a Better Worl', New Delhi, Lancers.
- White, B. et al. (eds.) (2005) 'Issues in World Politics', 3rd edn. New York, Macmillan.
- Whittaker, D.J. (1997) 'United Nations in the Contemporary World', London, Routledge.
- Armstrong, D., Lloyd, L. and Redmond, J. (2004) 'International Organisations in World Politics'. 3rd edn. New York, Palgrave, Macmillan.
- Calvocoressi, P. (2001) 'World Politics: 1945-2000', 3rd edn. Harlow, Pearson Education.
- Moore, J.A. Jr. and Pubantz, J. (2008) 'The new United Nations', Delhi, Pearson Education.
- United Nations Department of Public Information. (2008) 'The United Nations Today'. New York, UN.

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र-तृतीय(ब)

शोध प्रविधि (MPS 404)

उद्देश्य- इस प्रश्न पत्र का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध अभिक्षमता विकसित करना है। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।

- **इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध विधियों एवं शिक्षण कार्य के विविध स्वरूपों से परिचित कराना है।**
- **शोध के विविध चरणों , संकल्पना एवं आंकड़ों के विश्लेषण की विधियों से अवगत कराना।**
- **शोध में आधुनिक सूचना एवं तकनीकी क्षेत्र की उपयोगिता से अवगत कराना।**
- **शोध में मौलिकता एवं शोध नैतिकता की अनिवार्यता से परिचित कराना।**

ईकाई:-1 सामाजिक विज्ञान में शोध

- परिचय
- शोध का अर्थ, प्रकार एवं चरण
- शोध अभिकल्प
- प्राकल्पना

ईकाई:-2 प्रतिदर्श एवं आंकड़ों का संचयन

- प्रतिदर्श एवं प्रविधि अभिकल्प
- आंकड़ों के स्रोत
- आंकड़ों का विश्लेषण

ईकाई:-3 शोध में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

- शोध में कंप्यूटर का अनुप्रयोग
- उच्च शिक्षा में डिजिटल पहलें

ईकाई:-4

- प्रकाशन एवं शोध नैतिकता
- साहित्यिक चोरी

शिक्षण विधि- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम- यह प्रश्न पत्र शोधोन्मुख विद्यार्थियों के लिए परास्नातक के पश्चात शोध के क्षेत्र में बेहद लाभकारी सिद्ध होगा।

संदर्भ सूची-

- Garg, B.L., Karadia, R., Agarwal, F. and Agarwal, U.K., 2002. An introduction to Research Methodology. RBSA Publishers.
- Kothari, C.R., 1990. Research Methodology: Methods and Techniques. New Age International. 418p.
- Sinha, S.C. and Dhiman, A.K., 2002. Research Methodology, Ess Ess Publications. 2 volumes. 4.
- Trochim, W.M.K., 2005. Research Methods: the concise knowledge base, Atomic Dog Publishing. 270p.
- Wadehra, B.L. 2000. Law relating to patents, trade marks, copyright designs and geographical indications. Universal Law Publishing.
- Leedy, P.D. and Ormrod, J.E., 2004 Practical Research: Planning and Design, Prentice Hall.
- Satarkar, S.V., 2000. Intellectual property rights and Copy right. Ess Ess Publications

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र-तृतीय(स)

भारत में लोकतंत्र एवं मानवाधिकार (MPS 405)

उद्देश्य- इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को मानवाधिकार की मूलभूत अवधारणाओं इसके सैद्धांतिक पक्ष एवं व्यवहार में इसके अनुप्रयोग से विद्यार्थियों को परिचित कराना है।

- **इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य मानवाधिकार से संबंधित विविध संकल्पनाओं एवं आयामों से विद्यार्थियों को परिचित कराना है।**
- **भारत में मानवाधिकार के प्रावधानों से अवगत कराना।**
- **भारत में मानव अधिकारों की रक्षा करने वाली संस्थाओं का अध्ययन करन**
- **वंचित समूह के मानवाधिकार संरक्षण के लिए शासन एवं प्रशासन द्वारा की जा रही सकारात्मक कार्रवाई का अध्ययन करना।**

ईकाई:-1

- मानवाधिकार की संकल्पना: पाश्चात्य एवं तृतीय विश्व
- मानव अधिकार: राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आयाम
- भारत में लोकतंत्र, विकास एवं मानवाधिकार

ईकाई:-2

- भारत में मानवाधिकार की संवैधानिक एवं विधिक रूपरेखा: मौलिक अधिकार, राज्य के नीति निर्देशक तत्व, मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993
- मानव अधिकार से संबंधित विषय एवं चुनौतियां: शरणार्थी एवं विस्थापित व्यक्ति, जाति अल्पसंख्यक समुदाय, महिला, बच्चे, आदिवासी, श्रमिक, कृषक, दिव्यांगजन

ईकाई:-3

वंचित समूहों पर प्रभाव-

- जेंडर आधारित हिंसा (घरेलू एवं सार्वजनिक)
- जाति आधारित हिंसा एवं विभेद
- कट्टरतावाद, संगठित अपराध
- हिरासत में यातना एवं मृत्यु

मानवाधिकार एवं नागरिक समाज: मीडिया, जनमत इत्यादि

ईकाई:-4

- मानव अधिकार के प्रति राज्य का दृष्टिकोण: पुलिस प्रशासन की भूमिका, सेना, अर्धसैनिक बल
- न्याय प्रशासन: न्यायिक हस्तक्षेप एवं सक्रियता,न्मानवाधिकार पर न्यायिक आयोग
- कमजोर वर्गों के प्रति सकारात्मक कार्यवाही

शिक्षण विधि-

चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी मानवाधिकार से संबंधित विभिन्न आयामों को न सिर्फ समझ सकेंगे बल्कि इसके व्यवहारिक पक्ष की केस स्टडी भी कर पाएंगे।

संदर्भ सूची-

- Alston Philip (1995), 'The United Nations and Human Rights-A Critical Appraisal', Oxford, Clarendon.
- Baxi, Upendra (1995) (ed.), 'The Right to be Human', Delhi, Lancer,
- Beetham, David (1987) (ed.), 'Politics and Human Rights', Oxford, Blackwell.
- Desai, A R. (1986)(ed), 'Violations of Democratic Rights in India', Bombay, Popular Prakashan.
- Evans, Tony (2001), 'The Politics of Human Rights: A Global Perspective', London, Pluto Press.
- Hargopal. G.(1999) 'Political Economy of Human Rights', Hyderabad, Himalaya.
- J. Hoffman and P. Graham, (2006) 'Introduction to Political Theory', Delhi, Pearson.
- Kothari, Smitu and Sethi, Harsh (1991)(eds.), 'Rethinking Human Rights', Delhi, Lokayan.
- Saksena, K.P. (1999) (ed.), 'Human Rights: Fifty Years of India's Independence', Delhi, Gyan.
- Subramanian, S.(1997), 'Human Rights: International Challenges', Delhi, Manas Publications.
- Vistaar Iyer, V.R. Krishna (1999), 'The Dialectics and Dynamics of Human Rights in India', Delhi, Eastern Law House.

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर
राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र– चतुर्थ (अ)
भारत में राज्यों की राजनीति (MPS-06)

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य भारत में राज्यों की राजनीति से जुड़े हुए विविध आयामों का अध्ययन करना है।

इकाई : 1

- राज्य की राजनीति के अध्ययन की सैद्धांतिक रूपरेखा।
- राज्य की राजनीति के सामाजिक–आर्थिक निर्धारक
- भारत में राज्य की राजनीति, प्रकृति और प्रतिमान
- राज्य की राजनीति में उभरते रुझान
- राज्य की स्वायत्तता की मांग

इकाई : 2

- भारत में राज्यों का विकास
- राज्य कार्यकारिणी– राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद
- राज्य विधानमंडल– संरचना, शक्तियां और कार्य
- राज्य न्यायपालिका– संरचना, शक्तियां और कार्य
- संघ–राज्य संबंधों के बदलते प्रतिमान

इकाई : 3

- मतदान व्यवहार
- दल प्रणाली
- दलबदल की राजनीति
- गठबंधन की राजनीति
- पंचायती राज व्यवस्था और राज्य की राजनीति पर इसका प्रभाव

इकाई : 4

- दबाव समूह
- जाति और धर्म का प्रभाव
- राजनीतिक नेतृत्व और प्रभुत्व के बदलते प्रतिमान
- अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों की राजनीति।
- राज्य की राजनीति की भविष्य की संभावनाएं

शिक्षण विधि–

- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम– इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थियों में राज्यों की राजनीति की न सिर्फ आधारभूत समझ विकसित होगी बल्कि वे इसका शोधपरक अध्ययन कर पाएंगे।

Rajput

संदर्भ ग्रंथ सूची

Achin Vanaik, Is There a Nationality Question in India, Economic and Political Weekly, 23 (44), 1988.

Amaresh Bagchi and John Kurian, Regional Inequalities in India: Pre- and Post-Reform Trends and Challenges for Policy, in Jos Mooij ed., The Politics of Economic Reforms in India, New Delhi: Sage Publications, 2005.

Aseema Sinha, The Regional Roots of Developmental Politics in India: A Divided Leviathan, Indiana University Press, 2004.

Ashutosh Kumar ed. Rethinking State Politics in India: Regions within Regions. Delhi: Routledge, 2012.

Bidyut Chakrabarty, Forging Power: Coalition Politics in India. New Delhi: Oxford, 2006.

Francine R Frankel and M. S. A. Rao eds., Dominance and State Power in Modern India: Decline of a Social Order, 2 vols., New Delhi: Oxford University Press, 1991.

Francine R Frankel et al, Transforming India: Social and Political Dynamics of Democracy,New Delhi: Oxford University Press, 2000.

Francine R Frankel, India's Political Economy 1947-2004: The Gradual Revolution, New Delhi: Oxford University Press, 2005.

Himanshu Roy, Regional Business and Federalism in India, Journal of Parliamentary Studies, Government of Kerala 2 (1), Jan-June, 2011.

John R Wood ed., State Politics in India: Crisis or Continuity? Boulder Co: Westview Press, 1984.

Lloyd Rudolph, and Susanne Rudolph (1987). In Pursuit of Lakshmi: The Political Economy of the Indian State. Chicago: University of Chicago Press.

M. P Singh, Himanshu Roy and A P S Chauhan eds., State Politics in India, Delhi: Primus,2015.

Myron Weiner ed., State Politics in India, Princeton: Princeton University Press, 196

Rajani

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर
राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र–चतुर्थ(ब)
दक्षिण एशिया में राजनीति (MPS-407)

उद्देश्य– इस प्रश्न का मुख्य उद्देश्य दक्षिण एशिया की राजनीतिक स्थिति और उसको प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करना है।

इकाई : 1

- दक्षिण एशिया में उपनिवेशवाद की स्थापना
- ब्रिटिश उपनिवेशवाद, चरण और विशेषताएं।
- क्षेत्र पर उपनिवेशवाद का प्रभाव।
- मुक्ति आंदोलन प्रकृति और विशेषताएं।
- राजनीतिक प्रणालियों की प्रकृति।

इकाई : 2

- सामाजिक–राजनीतिक और सांस्कृतिक वातावरण।
- लोकतांत्रिक अनुभव की प्रकृति।
- संसद और न्यायपालिका के बीच संबंध।
- सेना की भूमिका।
- परमाणु राजनीति।

इकाई : 3

- सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि और मुद्दे।
- विकास के वैकल्पिक मॉडल।
- वैश्विक संकट के प्रभाव
- क्षेत्र पर वैश्वीकरण का प्रभाव।

इकाई : 4

- भाषा और जातीय उग्रवाद, अलगाववाद और आतंकवाद की जड़ें।
- धमर्रू सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और कट्टरवाद की समस्याएं।
- क्षेत्र में संघर्ष और सहयोग।

शिक्षण विधि–

- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम– इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी दक्षिण एशिया की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति की गहन और शोध परक अवधारणा विकसित कर पाएंगे।

Rajan

संदर्भ ग्रंथ सूची

A. Jeyaratnam Wilson, The Break-Up of Sri Lanka: The Sinhalese-Tamil Conflict, Honolulu, University of Hawai Press, 1988.

Ayesha Jalal, Democracy and Authoritarianism in South Asia; A Comparative and Historical Perspective, New Delhi: Cambridge University Press, 1995.

Asim Roy (ed.), Islam in History and Politics: Perspectives from South Asia, Oxford University Press, New Delhi, 2006.

B.H.Farmer, An Introduction to South Asia, London, Roultedge, 1993.

C. Baxter et al (ed.), Government and Politics in South Asia, Boulder, Westview, 1987.

Deepa M. Ollapally, The Politics of Extremism in South Asia, Cambridge: Cambridge University Press, 2008.

D. Suba Chandran and P. R. Chari (ed.), Armed Conflict in South Asia: Growing Violence, New Delhi, Routledge, 2008.

Hamza Alavi and John Harriss (ed.), The Sociology of Developing States: South Asia, Houndmill, Macmillan, 1987.

Harsh Sethi (eds.), State of Democracy in South Asia: A Report, the SDSA Team, Oxford University Press, New Delhi, 2008.

Hiranmay Karlekar, Bangladesh: The Next Afghanistan, Sage, New Delhi, 2005.

Bidwai, P and Vanaik A., South Asia on a Short Fuse: Nuclear Politics and the Future of Global Disarmament, Oxford, Oxford University Press, 2001.

Cohen, Stephen, P., India: Emerging Power, Washington D.C, Brookings Institution Press, 2001.

Hewitt, Vernon, The New International Politics of South Asia, Manchester, Manchester University Press, 1997.

Kothari, Smitu and Mian, Zia, (ed.), Out of the Nuclear Shadow, Delhi, Lokayan, 2001. Kux, D., Estranged Democracies: India and The US 1941-1991, New Delhi, Sage, 1993.

Latter, R., Strengthening Security in South Asia, London, Wilton Park, Paper 108, HMS, 1995.

Mitra, S., edited, Sub-nationalism in South Asia, Boulder, West View, 1996.

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर
राजनीति विज्ञान वैकल्पिक प्रश्न पत्र–चतुर्थ(स)
लोक नीति (MPS-08)

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकनीति के सैद्धांतिक और व्यवहारिक पक्ष की समझ विकसित करना है।

इकाई : 1

- लोक नीति, अवधारणा और आयाम
- विशेषताएं और मानदंड
- राजनीति– प्रशासन संबंध

इकाई : 2

- विकास नीति और प्रशासन
- सार्वजनिक नीति दृष्टिकोण, उत्तरव्यवहारवादी दृष्टिकोण
- पब्लिक च्वाइस थ्योरी
- लोक प्रबंधन

इकाई : 3

- नीति संदर्भ : राजनीतिक, संवैधानिक, कानूनी, प्रशासनिक, सामाजिक–सांस्कृतिक, आर्थिक, पर्यावरण और वैज्ञानिक।
- भारत में सार्वजनिक नीति, मॉडल और रुझान

इकाई : 4

- सरकार, नौकरशाही, संसद, अदालतों, राजनीतिक दलों की भूमिका,
- नीति प्रक्रियाओं में कॉर्पोरेट क्षेत्र, हित समूह, नागरिक और गैर सरकारी संगठन।

शिक्षण विधि–

- चाक और टॉक, केस स्टडी, आईसीटी, समूह परिचर्चा

अधिगम परिणाम– इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी लोकनीति के विविध पक्षों से न सिर्फ परिचित होंगे बल्कि उसके व्यवहारिक अनुप्रयोग को भी समझ पाएंगे

संदर्भ ग्रंथ सूची

- Gunn, L. and Hogwood, B., Modes of Public Polices, University of Strathclyde, Glasson, 1982.
- Pandya, Hiren J. and Venkatranam, A. 'Policy Approach to Public Administration'. Indian Journal of Administrative Science, Jan-Jun., 1990.
- Peters, B. Guy. 'Public Policy and Public Bureaucracy1, in Douglas E. Ashford edited, History and Context in Comparative Public Policy, Pittsburgh. University of Pittsburgh Press, 1992.
- Self, Peter, 'Market Ideology and Public Policy', in Peter Self, Government by the Market?The Political of Public Choice, Boulder. Westview, 1993.
- Wamsley, Gary, et al. 'Public Administration and the Governance Process: Shifting the Political Dialogue', In Trary Wamsley, et. al. Refounding Public Administration, New Delhi, Sage, 1990

Rajarshi

एम ए चतुर्थ सेमेस्टर

राजनीति विज्ञान पंचम प्रश्न पत्र

प्रोजेक्ट कार्य ~~(MPS 407)~~ (MPS-409)

उद्देश्य- यह प्रश्न पत्र एम. ए. सेमेस्टर के 4 प्रश्नपत्रों पर आधारित होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थी के अंदर पूर्व के 4 प्रश्नपत्रों के संदर्भ में व्यवहारिक समझ विकसित करना होगा।

ईकाई:-1

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-2

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-3

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के तृतीय प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद ,संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।

ईकाई:-4

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित अधिन्यास, प्रोजेक्ट, फील्ड वर्क, समूह परिसंवाद , संगोष्ठी या अन्य शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करना है।